जनपथ समाचार

सिलीगुड़ी 11 मार्च 2012

पुस्तक-समीक्षा

पुस्तक 'काशी मरणान्मुक्ति'

प्रकाशक: शिव ॐ साई प्रकाश
95/3 वल्लभ नगर, इंदौर मं.प्र। +91-731-4225754, 2530217

चलना केवल स्वयं तक है एवं निज-स्वभाव ही गंतव्य है।
- काशी मरणान्मुक्ति

स्वयं का वास्तविक अर्थ उघाड़ने को प्रेरित करती पुस्तक 'काशी मरणान्मुक्ति' के लिए लेखकों की मान्यता है कि यह पुस्तक एक गुरु प्रसाद है एवं वे मात्र माध्यम है, जिन्हें इस प्रसाद को जन साधारण तक पहुंचाना है। इसी सन्दर्भ में यह पत्र आपके संपादन विभाग द्वारा इस पुस्तक की सीमक्षा हेतु प्रस्तुत है।

'काशी मरणान्मुक्ति' एक दार्शनिक उपन्यास है, जो नायक 'महामृणग्राम' (महा), एक चांडाल के जीवन पर आधारित है, जो सदगुरु खोज करते हुए अध्याय के चरम को पा, पशु से पशुपति अर्थात शिव हो जाता है। यह पुस्तक वेद एवं पुराणों को कथा रूप में इस प्रकार प्रस्तुत करती है कि हमें हमारे वेद और पुराण कालातीत से वर्तमान तक जीवित होने की सार्थकता समझा जाते हैं।

अध्यायत्म एवं दर्शन पर आधारित कथा, 'काशी मरणान्मुक्ति' का विमोचन वर्ष 2010 में टाइम्स समूह की अध्यक्ष, श्रीमती इंदु जैन द्वारा, एक निजी आयोजन में नई दिल्ली स्थिति उनके आवास -स्थल में किया गया था। उपन्यास को श्री नारायण मूर्ति, प्रसिद्ध लेखक श्री काशीनाथ सिंह जी, श्री श्रीकांत उपाध्याय आदि अनेक प्रतिष्ठित व्यक्तियों से सराहना प्राप्त हुई। पुस्तक के विमोचन के पश्चात, मात्र 5 माह में ही प्रथम संस्करण की सभी प्रतियों का बिक जाना, हिंदी साहित्य के क्षेत्र में एक उपलब्धि होने के साथ-साथ, पुस्तक की सफलता का प्रत्यक्ष प्रमाण भी है। पुस्तक के क्रय से हुई आय की सम्पूर्ण राशि को समाज-सेवा में लगाने की अपनी प्रतिबद्धता को निभाते हुए प्रकाशन संस्था 'शिव ॐ साई प्रकाशन' राशि का उपयोग समाज-कल्याण की दिशा में किये गए अनेक प्रयासों के माध्यम से कर रहा है।